CCE PF
REVISED

ಕರ್ನಾಟಕ ಪ್ರೌಢ ಶಿಕ್ಷಣ ಪರೀಕ್ಷಾ ಮಂಡಳಿ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು – 560 003

KARNATAKA SECONDARY EDUCATION EXAMINATION BOARD, MALLESWARAM, BANGALORE – 560 003

ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಪರೀಕ್ಷೆ, ಮಾರ್ಚ್ / ಏಪ್ರಿಲ್, 2018

S. S. L. C. EXAMINATION, MARCH / APRIL, 2018

ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

MODEL ANSWERS

ದಿನಾಂಕ : 23. 03. 2018] ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H**

Date : 23. 03. 2018] **CODE NO. : 06-H**

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ

Subject : First Language — HINDI

(ಹೊಸ ಪಠ್ಯಕ್ರಮ / New Syllabus)

(ಖಾಸಗಿ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / Private Fresh)

[ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು : 125

[Max. Marks : 125

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	विभाग - "A"	
	गद्य, पद्य, पोषक अध्ययन (92 अंक)	
I.	**एक-एक** वाक्य में उत्तर :	16 × 1 = 16
1.	सत् चित् आनंद कौन है ?	
	उत्तर : रुपया सत् चित् आनंद है ।	1
2.	नेटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना किसने की ?	
	उत्तर : नेटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना महात्मा गाँधीजी ने की ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
3.	चतुर वैद्य विष का उपयोग कैसे करता है ?	
	उत्तर : चतुर वैद्य विष से चिकित्सा करता है ।	1
4.	सिपाही ने बच्चे को क्यों चूमकर पुचकारा ?	
	उत्तर : जब सिपाही को पता चला कि वह बच्चा उसका अपना है, तब उसने उस बच्चे को चूमकर पुचकारा ।	1
5.	दरबारी भ्रष्टाचार क्यों देख नहीं सके ?	
	उत्तर : भ्रष्टाचार बहुत ही सूक्ष्म है, तो इस कारण से दरबारी उसे देख नहीं सके ।/ दरबारी सिर्फ राजा की विराटता देखने के आदि थे ।	1
6.	शीला अग्रवाल कहाँ काम करती थी ?	
	उत्तर : शीला अग्रवाल सावित्री गर्ल्स हाई स्कूल में हिन्दी भाषा की प्राध्यापिका थी ।	1
7.	सबसे पहले गोली किसे लगी ?	
	उत्तर : सबसे पहले गोली पिछड़े आदमी को लगी ।	1
8.	प्रति पग पर किसमें दृढ़ निश्चय रखना है ?	
	उत्तर : प्रति पग में अपनी आत्मशक्ति पर दृढ़ निश्चय रखना है ।	1
9.	ज्योतिषी ने नेपोलियन से क्या कहा ?	
	उत्तर : नेपोलियन का हाथ देखकर ज्योतिषी ने कहा कि उसके हाथ में भाग्य की रेखा नहीं है ।	1
10.	परिश्रम करनेवाले क्या-क्या कर सकते हैं ?	
	उत्तर : परिश्रम करनेवाले रेतीले मैदान पार कर सकते हैं, मिट्टी को सोना बना डाल सकते हैं ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
11.	प्रकृति का जादू किसे कहा गया है ?	
	उत्तर : फूलों की पंखुड़ी के मखमली को, चिड़िया की मधुर आवाज को और जंगल के खुलेपन को प्रकृति का जादू कहा गया है ।	1
12.	गाँधीजी ने अपनी माता से क्या प्रतिज्ञा की ?	
	उत्तर : गाँधीजी अपनी माता से यह प्रतिज्ञा कर गए थे कि वे मांस-मदिरा और अन्य व्यसनों से दूर रहेंगे ।	1
13.	'एक कुत्ता और एक मैना' पाठ के लेखक कौन हैं ?	
	उत्तर : 'एक कुत्ता और एक मैना' पाठ के लेखक हैं श्री हजारी प्रसाद द्विवेदी जी ।	1
14.	सद्‌गुणों से क्या मिलता है ?	
	उत्तर : सद्‌गुणों से सुख मिलता है ।	1
15.	माँ ने नेपोलियन से क्या कहा ?	
	उत्तर : माँ ने नेपोलियन से यह कहा कि तुम्हारी सच्चाई से खुश हूँ लेकिन एक महीने तक जेब खर्च के लिए कुछ भी नहीं मिलेगा ।	1
16.	साधु कैसा होना चाहिए ?	
	उत्तर : साधु को अच्छे (सार) गुण ग्रहण करनेवाला होना चाहिए / सूप जैसे ।	1
II.	**दो-तीन** वाक्यों में उत्तर :	16 × 2 = 32
17.	गाँधीजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए ।	
	उत्तर : गाँधीजी अपने जीवन के कष्ट को झेलने पर भी सत्य, अहिंसा, कर्तव्य आदि के पथ से विचलित न होकर शांति का उपदेश देनेवाले हैं । उन्होंने एक महान पुरुष के चमत्कारी जीवन बिताया है साथ में अपने हाथों से इस युग को बनाया है ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
18.	पैरों में कील चुभने पर भी रवीन्द्रनाथ क्यों चुप रहे ? **उत्तर :** सभा में बैठे सभी रवीन्द्रजी के भाषण का आनंद उठा रहे थे, खुश थे । तो इस कारण उस खुशी में बाधा न डालकर कील के चुभने का दर्द सहकर भाषण देते रहे ।	2
19.	लोकगीतों का भाव और भाषा के बारे में लिखिए । **उत्तर :** सभी लोकगीत गाँवों और इलाकों की बोलियों में गाये जाते हैं, इस कारण इन गीतों का भाव बड़े आनंददायक होते हैं । इनकी समझी जानेवाली भाषा भी इनकी सफलता का कारण है ।	2
20.	पुरानी रूसी साहित्य में लेखक ने क्या पढ़ा था ? **उत्तर :** पुरानी रूसी साहित्य में लेखक ने उस देश का विवरण पढ़ा है और उससे पता लगता है कि वहाँ पर भी जनता की दुर्दशा हमारे देश से कम नहीं थी । दो महायुद्धों का सामना करने पर भी वह उससे उभरकर बाहर आ गया हैं ।	2
21.	रवीन्द्रजी की कविता पढ़कर (मैना के बारे में) लेखक ने कैसा भाव व्यक्त किया ? **उत्तर :** लेखक ने अपना भाव इस तरह व्यक्त किया है कि – उस मैना को क्या हो गया है ? रोज सबेरे संगहीन होकर कीड़ों का शिकार करती फिरती है । बरामदे में चढ़ जाती है, नाचती है और डरती भी नहीं है फिर भी क्यों है ऐसी दशा इसकी ? समाज के किस दंड पर उसे निर्वासन मिला है ?	2
22.	सामाजिक कुरीतियों को किस तरह मिटाना चाहिए ? **उत्तर :** नये और सच्चे रास्ते पर चल कर मन में नए उमंग भरकर, नया चित्र लिखकर सामाजिकता के चौखट पर अंधविश्वास को दूर कर सामाजिक कुरीतियों को मिटा सकते हैं ।	2
23.	अनदेखे अरूप ने प्यार को कैसे वापस लौटाने की बात कही ? **उत्तर :** अनदेखे अरूप ने मानव के सपनों में आकर उससे पूछा कि तुम इतने धनी हो ? मुझे थोड़ा प्यार उधार दे दो, मैं सौ-सौ बार गिनकर सूद के साथ दूँगा, जब भी आऊँगा, तब-तब दूँगा ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
24.	स्काउट और गाइड के प्रमुख नियम क्या हैं ? **उत्तर :** विश्वसनीयता, वफ़ादारी, मित्रता, अनुशासनप्रियता, साहस, उच्चतम कर्मठ भावना से जीवन व्यतीत करना, सच्चा देशभक्त बनना आदि स्काउट और गाइड के प्रमुख नियम हैं ।	2
25.	'मन चंगा तो कठौती में गंगा' कहावत का क्या अर्थ है ? **उत्तर :** रैदास की भक्ति से यह कहावत प्रचलित है । इसका अर्थ है – परमात्मा सर्वव्यापी है, यदि मन शुद्ध है, तो उसके दर्शन कहीं भी हो सकता है ।	2
26.	पहाड़ी लोकगीत के बारे में लिखिए । **उत्तर :** पहाड़ियों के अपने-अपने लोकगीत होते हैं । भिन्न होते हुए भी अशास्त्रीय होने के कारण उनमें एक समान भूमि है । गढ़वाल, किन्नोर, काँगड़ा आदि गीतों से उनका नाम पहाड़ी पड़ गया है ।	2
27.	नदी के पुल से कौन से दृश्य नज़र आते हैं ? **उत्तर :** नदी के पुल से नदी के बीच नहाते लोगों की भीड़, कुछ लोगों के छोटी-छोटी नावों में मछली पकड़ने का नज़ारा, मोटरबोट और शहर के मकान भी नज़र आते हैं ।	2
28.	मैना के बारे में रवीन्द्रजी ने क्या कहा ? **उत्तर :** गुरुदेव लेखक से कहते हैं कि एक लंगड़ी मैना जो अपने झुण्ड से बाहर निकल के यहाँ आकर अकेले रोज़ फुदकती है और मुझे इसकी चाल में एक करुणा भाव दिखाई देता है ।	2
29.	सब कैसे सोते थे ? वह अलग बैठे क्या करता था ? **उत्तर :** सब निढाल होकर सोते थे । वह अलग बैठे शून्य में टकटकी लगाये बैठा रहता था ।	2
30.	हमारा देश स्वर्ग के लिए ईर्ष्या स्थान कैसे है ? **उत्तर :** हमारे देश में ऊँचे-ऊँचे पर्वत, सुन्दर बाग और हजारों नदियाँ, मनमोहक प्रकृति है और आपस में भाईचारा भी है तो इस कारण हमारा भारत स्वर्ग से भी सुन्दर है ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
31.	मानव के तन-मन पर किसने आघात किया है ?	
	उत्तर :	
	∗ कवि के अनुसार देश के जन-गण ने मानव के तन-मन पर आघात किया है ।	
	∗ समाज में सड़ी कुरीतियों को पालन करनेवाले ने आघात किया है ।	
	∗ अंधविश्वास को माननेवालों ने आघात किया है ।	2
32.	जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग कौन-सा है ?	
	उत्तर : जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने, आलस्य का दामन छुड़ाकर कठिन परिश्रम करना ही एक मात्र मार्ग है ।	2
III.	संदर्भ सहित व्याख्या :	6 × 3 = 18
33.	"लंका सीता की रुष्टि-तुष्टि से नहीं बल्कि मेरी रुष्टि-तुष्टि से जली थी, मैं विभीषण पर प्रसन्न था ।"	
	i) पाठ का नाम :	
	ii) लेखक का नाम :	
	iii) व्याख्या :	
	उत्तर :	
	i) "रुपया बोलता है"	$\frac{1}{2}$
	ii) पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'	$\frac{1}{2}$
	iii) इस पाठ में रुपया अपनी स्वप्रतिष्ठ का परिचय कराते अपनी विशालता और विराटता का वर्णन करते हुए कहता है कि सीता की रुष्टि-तुष्टि से नहीं मेरी रुष्टि-तुष्टि से लंका जली थी और मैंने ही विभीषण की सहायता की थी ।	2
34.	"उसे देखा नहीं जा सकता, अनुभव किया जा सकता है ।"	
	i) पाठ का नाम :	
	ii) लेखक का नाम :	
	iii) व्याख्या :	
	उत्तर :	
	i) 'सदाचार का तावीज़'	$\frac{1}{2}$
	ii) हरिशंकर परसाई	$\frac{1}{2}$
	iii) जब विशेषज्ञ दरबार में आये तब राजा उनसे पूछता है कि लाओ मुझे भी दिखाओ भ्रष्टाचार को देखना है और कैसा है ? तब विशेषज्ञों ने कहा कि हे राजा ! भ्रष्टाचार स्थूल नहीं है, सूक्ष्म है, अगोचर है, उसे देखा नहीं जा सकता ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
35.	"आदमी जो हो, इतनी अकल कहाँ ?"	
	i) पाठ का नाम :	
	ii) लेखक का नाम :	
	iii) व्याख्या :	
	उत्तर :	
	i) 'एक कुत्ता और एक मैना'	$\frac{1}{2}$
	ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी	$\frac{1}{2}$
	iii) मानव के घर के दीवार के सुराख में अपना घर बनाकर मैना दम्पती खुशी से रहते हैं । लेकिन जब मनुष्य अन्दर जाता है तब हमारी (प्राइवेसी) एकांत को भंग करनेवाले मानव को कोई अकल नहीं है । कहकर एक दूसरे से बात करते हैं ।	2
36.	यह संसार मनुष्य के लिए एक परीक्षा स्थल है दुःख है प्रश्न कठोर, देखकर होती बुद्धि विकल है । किन्तु आत्म-बल विज्ञ सत्पुरुष ठीक पहुँच अटकल से हल करते हैं प्रश्न सहज में अविरल मेधा बल से ।	
	i) कविता का नाम :	
	ii) कवि का नाम :	
	iii) व्याख्या :	
	उत्तर :	
	i) 'जीवन संदेश'	$\frac{1}{2}$
	ii) रामनरेश त्रिपाठी	$\frac{1}{2}$
	iii) यहाँ कवि मानव से कहते हैं कि तुम्हारे लिए संसार एक परीक्षा स्थल है, दुःख सदा तुम्हारी बुद्धि को विकल करता है किन्तु आत्मबल से सत्पुरुष हर प्रश्न का हल सहज रूप से करते हैं ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
37.	आप लोग असुर की कविता सुन ही चुके हैं अब ससुर की कविता सुनिए i) पाठ का नाम : ii) लेखक का नाम : iii) व्याख्या : **उत्तर :** i) 'आनंद के क्षण'	$\frac{1}{2}$
	ii) श्री कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'	$\frac{1}{2}$
	iii) यहाँ आनंद के क्षण को अनुभव करते हुए एक सम्मेलन में दो दोस्त बात करते हैं । जैसे ही शुक्लजी कविता वाचन के लिए खड़े हुए तो उनके मित्र ने कहा अब असुर की कविता सुनिए .... जब शुक्लजी की बारी आई तब उन्होंने कहा कि असुर की कविता के बाद ससुर की कविता सुनिए । इस तरह वे आनंद के क्षणों का भरपूर अनुभव करते हैं ।	2
38.	"मैंने धूप से कहा, मुझे थोड़ी गरमाई देगी उधार ?" i) कविता का नाम : ii) कवि का नाम : iii) व्याख्या : **उत्तर :** i) 'सवेरे उठा तो धूप खिली थी ।'	$\frac{1}{2}$
	ii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' ।	$\frac{1}{2}$
	iii) कवि प्रकृति की सुन्दरता को देखकर मुग्ध होते हैं और धूप से थोड़ी गरमाई को उधार माँगते हैं ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
IV.	लेखक / कवि परिचय :	2 × 3 = 6
39.	जैनेन्द्र :	
	i) जन्म-काल :	
	ii) कृतियाँ :	
	iii) अन्य जानकारियाँ :	
	उत्तर :	
	i) 2 जनवरी, 1905 से 24 दिसम्बर, 1988, अलीगढ़ के कौडियागंज ।	$\frac{1}{2}$
	ii) परख, सुनीता, त्यागपत्र, जयवर्धन, पूर्वोदय, कल्याणी, सुखदा, फाँसी, दो चिड़िया ।	1
	iii) हस्तिनापुर के एक गुरुकुल में इनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई । उच्च शिक्षा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में हुई । जीविका के लिए दिल्ली और कलकत्ता घूमे ।	$1\frac{1}{2}$
40.	डॉ० इकबाल :	
	i) जन्म-काल :	
	ii) अन्य जानकारियाँ :	
	उत्तर :	
	i) 1873 - 1938	$1\frac{1}{2}$
	ii) आपका पूरा नाम मुहम्मद इकबाल नूर मुहम्मद शेख है । आप लंडन के कैंब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर पदवी प्राप्त कर बैरिस्टर बने । आपकी अप्रतिम काव्य प्रतिभा के लिए 'अल्लमा' पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है ।	$1\frac{1}{2}$
V.	पद्य भाग की पूर्ति :	1 × 4 = 4
41.	मधुर वचन	
	.... उफान ।	
	अथवा	
	जो गरीब	
	.... जोग ।	
	उत्तर : मधुर वचन ते जात मिट, उत्तम जन अभिमान ।	2
	तनिक सीत जल सो मिटै, जैसे दूध उफ़ान ।।	2
	अथवा	
	जो गरीब सो हित करै, धनी रहीम वे लोग ।	2
	कहाँ सुदामा बापुरौ, कृष्ण मिताई जोग ।।	2

<table>
<tr><th>प्रश्न संख्या</th><th>सही उत्तर</th><th>अंक</th></tr>
<tr><td>VI.
42.</td><td>पद्य भाग का सारांश :
अज्ञानियों से स्नेह करना
मानो पत्थर से चिन्गारी निकालना है
ज्ञानियों का संग करना
मानो दही मथकर माखन पाना है ।
हे चेन्नमल्लिकार्जुन प्रभु
तुम्हारे भक्तों का संग करना
मानों कपूरगिरी की ज्योति को पाना है ।
अथवा
भूख लगी तो गाँव में भिक्षान्न है ।
प्यास लगी तो तालाब-कुएँ हैं,
शीत से बचने जीर्ण वस्त्र है
सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं,
हे चेन्नमल्लिकार्जुन प्रभु
मेरा आत्म सखा तू ही है ।</td><td>1 × 4 = 4</td></tr>
<tr><td></td><td>उत्तर : अक्कमहादेवी अपने वचन में बुराइयों में भी अच्छाई पाने का आशय व्यक्त करते हुए कहती हैं – अज्ञानियों से स्नेह करने से स्वयं की वृद्धि होती है क्योंकि उन्हें सुधारते-सुधारते स्वयं बहुत कुछ सीख जाते हैं । यहाँ पत्थर अर्थात अज्ञानी, चिनगारी अर्थात उसे सशक्त बनाना । ज्ञानियों के संग करने से सुलभ रूप से ज्ञानी बन जाएँगे जैसे दही के मथने से माखन निकल आता है । अक्कमहादेवी अपने प्रभु की प्रशंसा करते हुए कहती हैं – तुम्हारे भक्तों के संग करने से कपूरगिरी पर्वत की ज्योति पा सकते हैं ।</td><td>4</td></tr>
<tr><td></td><td>अथवा
अक्कमहादेवी इस वचन में स्वयं को धन्य मानती हुई कहती हैं कि प्रभु आपके सामने कोई भी गरीब नहीं है, इसकी पुष्टि में वह कहती हैं यदि भूख लगी तो गाँव में अन्न देनेवाले हैं । प्यास लगी तो पानी की कमी नहीं है, तुम्हारी कृपा से ठंड से बचने के लिए फ़टे वस्त्र मिले हैं, सोने के लिए हे प्रभु उजड़े मंदिर हैं । तुम्हारा संग ही मेरे जीवन का सौभाग्य है । आपके बिना मेरा अस्तित्व नहीं है, तू ही मेरा प्रिय आत्म-सखा है ।</td><td>4</td></tr>
</table>

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VII.	**छः-सात** वाक्यों में उत्तर :	2 × 4 = 8
43.	लाला झाऊलाल छत पर क्यों टहल रहे थे और पंडित बिलवासीजी को अपनी कौन-सी विपदा सुनाई ?	
	अथवा	
	लोटा खरीदने का हक किसे है और क्यों ?	
	उत्तर : चार दिन ज्यों-त्यों में यों ही बीत गये और रुपयों का कोई प्रबंध न हो सका, तब लाला झाऊलाल को चिन्ता होने लगी । प्रश्न अपनी प्रतिष्ठा का था । अपने ही घर में अपनी साख का था । देने का पक्का वादा करके अगर अब न दे सके तो अपने मन में वह क्या सोचेगी ? उसकी नज़रों में क्या मूल्य रह जायेगा ? अपनी वाहवाही की सैकड़ों गाथाएँ उसे सुना चुके थे । अब जो एक काम पड़ा तो चारों-खाने चित्त हो रहे । उसने पहली बार उसने मुँह खोलकर कुछ रुपयों की माँग की थी । खैर एक दिन और बीता पाँचवें दिन घबराकर उन्होंने पं० बिलवासी मिश्र को अपनी विपदा सुनाई । लेकिन उनका जेब भी उस समय खाली था । लेकिन कोशिश कर प्रबंध करने की बात उन्होंने लाला झाऊलाल से तो कही । इस असमंजस में पड़कर लाला झाऊलाल छत पर टहल रहे थे ।	4
	अथवा	
	लोटा खरीदने का हक सिर्फ अंग्रेज़ को था । क्योंकि ऊपर से लोटा अंग्रेज के पैर पर गिरा, उस लोटे के पानी से अंग्रेज का स्नान हुआ और आखिर में अंग्रेज के अंगूठे पर भी चोट लगी थी । इन सारे कारणों को देते हुए अंग्रेज़ आगे कहते हैं कि मुझे पुराने और ऐतिहासिक चीज़ें खरीदने और इकट्ठा करने का शौक भी है और मुझे अपने दोस्त की तुलना में ज्यादा पुरानी चीज़ें खरीदकर दिखाना है । इन सारे कारणों की वजह से और इस लोटे को ज्यादा कीमत देकर खरीदने की वजह से भी मुझे ही लोटा खरीदने का हक है ।	4
44.	कर्नाटक एकीकरण के बारे में अपने विचारों के प्रचार के लिए वेंकटरावजी ने क्या-क्या किया ?	
	अथवा	
	वेंकटराव के जीवन में नया मोड़ कैसे आया ?	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : कन्नड भाषा की अभिवृद्धि तथा कर्नाटक के हित की रक्षा के लिए 1890 में स्थापित कर्नाटक विद्यावर्धक संघ ने काफी जागृति उत्पन्न की थी । वेंकटरावजी कन्नड अध्यापकों से संपर्क बढ़ाया, उन्हें प्रोत्साहित किया । उसी समय उनके मन में एक विचार आया कि छोटे-बड़े रियासतों में बँटे मैसूर, हैदराबाद, मद्रास, बम्बई का एकीकरण होना है तब 'वाग्भूषण' पत्रिका का संपादन का भार लिया और उसमें कन्नडवासियों को एक करने का प्रयास कर खंडित कर्नाटक को अखंड कर्नाटक में परिवर्तित किया और भुवनेश्वरी के श्री चरण में पहला कन्नड राज्योत्सव मनाया ।	4
	अथवा	
	परीक्षाएँ समाप्त करके वेंकटराव को आलूर में अपनी छुट्टियाँ बिताते समय एक दिन अपने घर के कुल-पुरोहित के साथ 'नववृन्दावन' जाने का अवसर मिला । वहाँ तुंगभद्रा का प्रशांत तट पर व्यासराय और अन्य माध्व यतियों की समाधियों का दर्शन, हम्पी उत्खनन के बारे में जानकारी प्राप्त करना, समझ में आना कि विजयनगर की राजधानी हम्पी थी, दूसरा दिन खुद नदी पार करके वेंकटराव विरुपाक्ष मंदिर गए । ऐसा लगा कि पंपनाथ और पंपाबिका की मूर्तियाँ प्रसन्नता से उन्हें देख रही हैं । बगल में जो भुवनेश्वरी के मंदिर की मूर्ति थी, उसे देखकर ऐसा लगा जैसे उनमें प्राणों का संचार हुआ हो । यह एक अभूतपूर्व दर्शन था । इस यात्रा से वे बहुत पुलकित हुए और उनके जीवन में नया मोड़ आया ।	4
VIII.	**छः-सात** वाक्यों में उत्तर :	
45.	पुरुषोत्तम के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।	
	अथवा	
	लेखक की राय में सच्चा धर्म क्या है ?	
	उत्तर : पुरुषोत्तम दिल्ली निवासी है । लेकिन वे एक मराठा ब्राह्मण भी हैं । साथ में वह एक स्वामीनिष्ठ और धार्मिक मनोभाव वाले थे । हर सुबह उठकर पूजा-पाठ के बाद ही अन्य काम किया करते थे । इनके इस गुण को पूरी दिल्लीवासी जानते हैं और इनके सत्य वचन के लिए भी जाने जाते हैं । उनके जीवन में एक समय ऐसा आया कि उनको अपनी स्वामीनिष्ठा और धर्म में एक को चुनना पड़ा लेकिन बड़ी चतुरता से धर्म के दायरे में स्वामीनिष्ठता को चुने । समय के साथ-साथ धर्म का स्वरूप भी बदलता जाता है । कभी-कभी असत्य से धर्म की रक्षा होती है, मनुष्यत्व सब धर्मों से बड़ा है ।	4
	अथवा	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	सामान्य रूप से लोग धर्म का जो अर्थ समझते हैं वह सेठ जी की दृष्टि से सही नहीं है । धर्म का खान-पान या छुआछूत से विशेष संबंध नहीं है । सेठजी ने दिखाया है कि सच्चा धर्म वही है जिससे समाज के अधिक से अधिक व्यक्तियों का भला हो । धर्म किन्हीं निश्चित नियमों में बंधकर नहीं रह सकता । समय के साथ-साथ धर्म का स्वरूप भी बदलता जाता है । कभी-कभी असत्य से भी धर्म की रक्षा होती है । मनुष्यत्व सभी धर्मों से बड़ा है । लेखक की दृष्टि में सच्चा धर्म वही है जो समाज में मनुष्यत्व की स्थापना करता हो ।	4
	विभाग - "B"	
	व्याकरण, अलंकार, छन्द (20 अंक)	
IX.	सही उत्तर चुनना :	$10 \times 1 = 10$
46.	'गरमा<u>हट</u>' रेखांकित शब्दांश क्या है ?	
	उत्तर : (B) प्रत्यय	1
47.	'राष्ट्रभाषा' में निहित समास है	
	उत्तर : (A) तत्पुरुष	1
48.	'लिखना' किस क्रिया का प्रथम प्रेरणार्थ क्रिया रूप है ?	
	उत्तर : (B) लिखाना	1
49.	'निडर' शब्द का विलोम शब्द है	
	उत्तर : (D) डरपोक	1
50.	कुछ घंटों .... बात है । इसमें निहित कारक है	
	उत्तर : (B) की	1
51.	'घराना' शब्द का बहुवचन रूप है	
	उत्तर : (C) घराने	1
52.	'सदाचारी' शब्द का अन्य लिंग रूप है	
	उत्तर : (D) सदाचारिणी	1
53.	'उचित' शब्द का भाववाचक संज्ञा रूप है	
	उत्तर : (C) औचित्य	1

<table>
<tr><th>प्रश्न संख्या</th><th>सही उत्तर</th><th>अंक</th></tr>
<tr><td>54.</td><td>'गीता <u>फूट-फूटकर</u> रो रही है' रेखांकित शब्द व्याकरण की दृष्टि में क्या है ?
उत्तर : (D) क्रिया विशेषण</td><td>1</td></tr>
<tr><td>55.</td><td>'मल्लाह' शब्द का समानार्थक शब्द है
उत्तर : (C) नाविक</td><td>1</td></tr>
<tr><td>X.</td><td>तीसरे पद से संबंधित पद :</td><td>4 × 1 = 4</td></tr>
<tr><td>56.</td><td>जगन्नाथ : व्यंजन संधि :: पर्वतावली : .... ।
उत्तर : दीर्घ संधि ।</td><td>1</td></tr>
<tr><td>57.</td><td>रीता गाना गा रही है : वर्तमान काल :: उषा हिन्दी पढ़ेगी : .... ।
उत्तर : भविष्यत् काल ।</td><td>1</td></tr>
<tr><td>58.</td><td>जो कविताएँ लिखता है : कवि :: जो पढ़ा लिखा न हो : .... ।
उत्तर : अनपढ़ ।</td><td>1</td></tr>
<tr><td>59.</td><td>वह मुझसे बड़ा है : विधिवाचक वाक्य :: वह मुझसे बड़ा नहीं है : .... ।
उत्तर : निषेधार्थक वाक्य ।</td><td>1</td></tr>
<tr><td>XI.</td><td>छन्द पहचानिए :</td><td>3</td></tr>
<tr><td>60.</td><td>क्षण में होय कमाल, गुस्सा ऐसा कीजिए ।
होय टमाटर लाल, जामुन सा मुखड़ा तुरत ।।
उत्तर :
| | ऽ ऽ | | ऽ | ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ | ऽ
क्षण में होय कमाल, गुस्सा ऐसा कीजिए ।
11 13
ऽ | | ऽ | | ऽ | ऽ | | ऽ | | ऽ | | |
होय टमाटर लाल, जामुन सा मुखड़ा तुरत ।।
11 13</td><td>$1\frac{1}{2}$</td></tr>
<tr><td></td><td>* यह सोरठा छंद है ।
* यह एक असम (विषम) मात्रिक छंद है ।
* इसके पहले और तीसरे चरण में 11-11 मात्राएँ होती हैं और दूसरे तथा चौथे चरण में 13-13 मात्राएँ होती हैं ।
* तुक पहले तथा तीसरे चरण में होते हैं ।</td><td>$1\frac{1}{2}$</td></tr>
</table>

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XII.	अलंकार पहचानिए :	3
61.	पानी गये न ऊबरै, मोती मानुस चून ।	
	उत्तर :	
	* श्लेष अलंकार है	$1\frac{1}{2}$
	* यहाँ पानी के तीन अर्थ हैं	
	* चूने के पक्ष में जल	
	* मोती के पक्ष में कांति	
	* मनुष्य के पक्ष में प्रतिष्ठा	
	इस कारण यह श्लेष अलंकार है ।	
	जिस रचना में जहाँ एक शब्द एक ही बार प्रयोग होकर अलग-अलग अर्थ हो तो उसे श्लेष अलंकार कहते हैं ।	$1\frac{1}{2}$
	विभाग – "C" **रचना (13 अंक)** **(वाक्य, पत्र लेखन, निबंध)**	
XIII.	अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग :	$2 \times 1\frac{1}{2} = 3$
62.	(a) घोड़े बेचकर सोना :	
	(b) कमर कसना :	
	उत्तर :	
	a. अर्थ : निश्चिंत होकर सोना ।	$\frac{1}{2}$
	परीक्षा के बाद बच्चे घोड़े बेचकर (निश्चिंत होकर) सोते हैं ।	1
	b. अर्थ : तैयार रहना ।	$\frac{1}{2}$
	परीक्षा के लिए बच्चे कमर कसके पढ़ते हैं ।	1
XIV.	पत्र लेखन :	$1 \times 5 = 5$
63.	अपने जन्म दिवस के समारोह पर अपने मित्र को आह्वान देते हुए पत्र लिखिए ।	
	अथवा	
	मीराबाई और सूरदासजी की काव्य पुस्तकों को माँगते हुए 'गीत बुक हाउस' (पुस्तकालय) के प्रबन्धक के नाम पत्र लिखिए ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : मित्र के नाम पत्र : स्थान : } $\frac{1}{2}$ दिनांक : संबोधन : $\frac{1}{2}$ कलेवर (Body of the letter) $2\frac{1}{2}$ पता : 1 समापन : } $\frac{1}{2}$ हस्ताक्षर : **अथवा** व्यावहारिक पत्र : स्थान : } $\frac{1}{2}$ दिनांक : प्रेषक (से) : $\frac{1}{2}$ सेवा में (को) : $\frac{1}{2}$ संबोधन : } 3 विषय : कलेवर (Body of the letter) समापन : } $\frac{1}{2}$ हस्ताक्षर :	5
XV. 64.	निबंध लेखन : किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : i) राष्ट्रीय त्योहार ii) इन्टरनेट क्रांति iii) आदर्श विद्यार्थी । **उत्तर :** (i) प्रस्तावना 1 (ii) विषय प्रवेश 1 (iii) विषय विस्तार 2 (iv) समापन । 1	1 × 5 = 5